रागं: सौराष्ट्र ताळ:
झंपे

पुरुषोत्तमुड नीवॆ पुण्यमुगट्टुक नन्नु
दरिजॆर्चि रक्षिञ्चि दयजूडवॆ

1..धरलॊ याचकुनकु धर्माधर्ममु लॆदु
सिरुलकामुकुनकु सिग्गु लॆदु
परमपातकुनकु भयमिञ्चुकैन लॆदु
विरसपुनाकैतॆ विवॆकमु लॆदु

2. मिञ्चिन कृतघ्नुनिकि मॆलेन्नडुनु लॆदु
चञ्चलचित्तुनिकि निश्चयमॆ लॆदु
अञ्चक नास्तिकुनकु आधारमॆ लॆदु
कोञ्चनि मूर्खुड नाकु गुणमॆ लॆदु